UPSC CSE Maithili Paper Syllabus 2024

[Answers must be written in Maithili]

The UPSC Maithili syllabus for 2024 will evaluate candidates on reading comprehension, précis writing, translation skills, and knowledge of Maithili grammar and literary concepts. Key focus areas will include grasping main ideas, summarizing texts concisely, translating accurately between Maithili and English, properly applying grammar rules, and demonstrating understanding of Maithili literary devices, themes, and genres. Regular reading of Maithili newspapers, books, and magazines will build strong comprehension and vocabulary.

Maithili is an official Indian language with a long literary history used in parts of Bihar, Uttar Pradesh, West Bengal, and Assam. The UPSC Maithili literature syllabus evaluates comprehension, written expression, translation, grammar knowledge, and understanding of Maithili poetry and other genres. Strong proficiency in literary Maithili is vital to succeed in this UPSC exam.

The UPSC Maithili literature optional comprises two Devanagari script papers assessing language proficiency and literary knowledge. Candidates fluent in speaking, reading, and writing Maithili, either natively or through study, are suited for this 500 marks exam. Thorough preparation of the literature, poetry, drama, and grammar covered is vital to succeed.

UPSC CSE Maithili Paper Syllabus 2024 Paper 1

भाग ए

मैथिली भाषा का इतिहास

1. मैथिली को इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार में स्थान.
2. मैथिली भाषा की उत्पत्ति और विकास। (संस्कृत, प्राकृत, अव्हट्ट, मैथिली)
3. मैथिली भाषा का कालिक विभाजन। (प्रारंभिक काल, मध्य काल, आधुनिक काल)
4. मैथिली और उसके विभिन्न बोलियाँ।
5. मैथिली और अन्य पूर्वी भाषाओं (बंगाली, असमीया, उड़िया) के बीच संबंध।
6. तिरहुता लिपि का उत्पत्ति और विकास।
7. मैथिली भाषा में सर्वनाम और क्रियाएँ।

भाग ब

मैथिली साहित्य का इतिहास

1. मैथिली साहित्य का पृष्ठभूमि (धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक)।

2. मैथिली साहित्य का कालिक विभाजन।
3. विद्यापति साहित्य पूर्व।
4. विद्यापति और उनकी परंपरा।
5. मध्यकालीन मैथिली नाटक (कीर्तनीय नाटक, अंकिया नाट, नेपाल में लिखे गए मैथिली नाटक)।
6. मैथिली लोक साहित्य (लोक कथाएँ, लोक नाटक, लोक कहानियाँ, लोक गीत)।
7. आधुनिक युग में विभिन्न साहित्यिक रूपों का विकास:
    - प्रबंध-काव्य
    - मुक्तक-काव्य
    - उपन्यास
    - लघुकथा
    - नाटक
    - निबंध
    - समीक्षा
    - स्मृतिचित्रण
    - अनुवाद।
8. मैथिली पत्रिकाओं और पत्रिकाओं का विकास।

UPSC CSE Maithili Paper Syllabus 2024 Paper 2

The paper will require first-hand reading of the prescribed texts and will test the critical ability of the candidates.

भाग ए

काव्य

1. विद्यापति गीत-शती—प्रकाशक: साहित्य अकादमी, नई दिल्ली (गीत— 1 से 50 तक)
2. गोविन्द दास भजनावली—प्रकाशक: मैथिली अकादमी, पटना (भजन— 1 से 25 तक)
3. कृष्णजन्म—मनबोध
4. मिथिलाभाषा रामायण—चंदा झा (केवल सुंदर-कांड)
5. रामेश्वर चरित मिथिला रामायण—लाल दास (केवल बाल-कांड)
6. कीचक-वध—तंत्रनाथ झा।
7. दत्ता-वाती—सुरेंद्र जाह 'सुमन' (केवल प्रथम और द्वितीय अध्याय)।
8. चित्र-यात्री
9. समकालीन मैथिली कविता—प्रकाशक: साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

भाग-ब

10. वर्ण रत्नाकर—ज्योतिरीश्वर (केवल द्वितीय कल्लोल)
11. खट्टर काकक तरंग—हरि मोहन झा
12. लोरिक—विजय मणिपद्मा
13. पृथ्वी पुत्र—ललित

14. भाफैट चहक जिनागी—सुधांशु 'शेखर' चौधरी
15. कृति राजकमलक—प्रकाशक: मैथिली अकादमी, पटना (पहले दस कहानियाँ केवल)
16. कथा-संग्रह—प्रकाशक: मैथिली अकादमी, पटना।

oliveboard